

पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा इस सराहनीय कार्य हेतु पुलिस टीम को 2,500 रु नकद धनराशि से पुरस्कृत करने की घोषणा की गयी है। गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस टीम में नितिन लोहनी, क्षेत्राधिकारी नगर हल्द्वानी, डीआर वर्मा, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लालकुआं व0उ0न0 हरेन्द्र सिंह नेगी, कोतवाली लालकुआं व0उ0न0 दीतीय दीपक सिंह विष्ट, कोतवाली लालकुआं उ0न0 सोमेन्द्र सिंह, चौकी प्रभारी बिन्दुखत्ता उ0न0 गौरव जोशी, चौकी प्रभारी हल्दूचौड़ हे0कानि0 त्रिलोक सिंह रौतेला, कोतवाली लालकुआं हे0कानि0 पूरन सिंह रायपा, कोतवाली लालकुआं कानि0 गुमेज सिंह, कोतवाली लालकुआं कानि0 चन्द्र शेखर, कोतवाली लालकुआं कानि0 कमल विष्ट, कोतवाली लालकुआं कानि0 जितेन्द्र सिंह विष्ट, कोतवाली लालकुआं कानि0 संजय कुमार, कोतवाली लालकुआं कानि0 अनिल शर्मा शामिल रहे।

शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एनएल गंगवार प्राचार्य, गिरीश शर्मा, भरत साह, कमला पाण्डेय, मोती राम साह, वीना पाठक, अर्चना गर्व्याल, राकेश



जोशी, डा कल्पना यादव, भगवती पान्डेय,
हर्षिता भट्ट, निर्मला कनवाल, नीता गुप्ता,
सुमित पाठक, राकेश कुमार, कमला
यादव, कृष्ण मोहन त्रिपाठी, इन्द्रा
ग्व्वासकोटी, सुमित पन्त, राजपति बिन्द,
आरपी सिंह, वीके गुप्ता आदि उपस्थित थे।

गाइड को यह निर्देश दिए गए हैं कि वह जंगल के अंदर सभी गाइडलाइन का पालन करें, उसके साथ उन्होंने कहा कि पार्क का ढिकाला जोन को 15 नवंबर से शुरू किया जाएगा जिसको खोलने को लेकर भी तैयार गतिमान है।

विष्णेश्वराय वरदाय सुरप्रियाय लम्बोदराय सकलाय जगद्धिताय ।
नागाननाय शुद्धियज्ञविभूषिताय गौरीसुताय वरगनाय नमो नमस्ते ॥

हमारे यहां कुंडली बनाने व दिखवाने एवं वैदिक
ब्राह्मणों द्वारा रुद्राभिषेक, दुर्गा सप्तशती पाठ
महामृत्युंजय जप, ग्रह शांति, शतचंडी
यज्ञ एवं समस्त यज्ञ जप इत्यादि
समस्याओं का समाधान
के लिये संपर्क करें :

आचार्य गोपाल शारत्ती जी : 7248133444

पूजा, शालू, वर्षा सक्कसैना, दीपा, जशोदा शर्मा, सुधमा यादव, निशा, सरिता, सरणजीत कौर, हरजीत कौर, किरनदीप कौर, रानी, वैशाली, गीता देवी, नीरज, गुंजन पवार, रेनु सिंह, अफसाना, निजम, जैबा सैफी, हिना सैफी, सुष्टि पाल, अनीता सिंह, आदि मौजूद थे।

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

साम्प्रदायिक हिंसा पर अंकुश

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में भड़की हिंसा ने एक बार फिर कुछ सवाल गाढ़े कर दिए हैं। मूर्ति विसर्जन के लिए निकली शोभायात्रा पर पथराव और फिर उपद्रवी संघर्ष में गोली लगने से एक युवक की मौत के बाद वहां सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि उपद्रवी भीड़ पर काबू पा लिया और आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। मगर इस घटना से पूरे प्रदेश और देश के दूसरे हिस्सों में जो सांप्रदायिक विद्वेष की जड़ें थोड़ी और गहरी धंस गई हैं, उसे उखाड़ना इतना आसान नहीं होगा। ऐसी हर घटना के बाद यह सवाल उठता है कि आखिर हमारा समाज धार्मिक रूप से इतना असहिष्णु कैसे और क्यों हो गया है। क्यों कुछ लोगों को हिंसा में आनंद मिलने लगा है। बहराइच की घटना न तो अकेली है और न नई। अब तो शायद ही कोई पर्व-त्योहार ऐसा गुजरता है, जो बिना हिंसा के संपन्न हो जाता हो। यह विचित्र संयोग है कि अक्सर शोभायात्राओं पर पथराव की घटना हो जाती है। उन सबकी प्रकृति लगभग एक होती है। पहले तेज ध्वनि में संगीत बजाने पर एतराज जताया जाता है, फिर पत्थर फेंका जाता है और संघर्ष होता है। इसमें कोई न कोई मारा जाता और कुछ घायल हो जाते हैं। फिर प्रशासन सख्ती दिखाता है। कायदे से धार्मिक आयोजनों, शोभायात्राओं के बारे में पुलिस को सूचित करना जरूरी होता है और आयोजन की रूपरेखा बतानी और उसके लिए अनुमति लेनी होती है। मगर कम ही आयोजक इस कायदे का पालन करते देखे जाते हैं। जो पालन करते भी हैं, वे अक्सर मनमानी करते पाए जाते हैं। हनुमान जयंती पर दिल्ली में निकली शोभायात्रा के दौरान या फिर हरियाणा के नूंह में कलशयात्रा के समय भड़की हिंसा के पीछे भी लगभग यही कारण बताए गए थे। करीब साल भर पहले मध्यप्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों में भी ऐसे ही उपद्रव देखे गए। मूर्ति विसर्जन, शोभायात्रा जैसे आयोजन लोगों की आस्था का जुड़े विषय हैं। दूसरी आस्था के लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे दूसरे धर्मों के लोगों की आस्था का भी सम्मान करें, मगर इसका अभाव लगातार बढ़ता देखा जा रहा है। फिर, सवाल यह भी है कि आस्था का यह अर्थ कबसे हो गया कि दूसरों की सुविधा-असुविधा का खयाल किए बगैर उसका प्रदर्शन किया जाए। बहराइच में अगर मामला तेज आवाज में संगीत बजाने से बिगड़ा, तो सवाल यह भी है कि वहां अगर धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर लगाने पर रोक है, तो फिर शोभायात्रा में इस बात का ध्यान रखना क्यों जरूरी नहीं समझा जाता। इस हकीकत से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि पिछले कुछ वर्षों से जब आस्था का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशें तेज हुई हैं, तबसे उपद्रव और हिंसक संघर्ष अधिक बढ़े हैं।

**सभी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता, सुरक्षा
और दक्षता के मानक लागू हों : धामी**

देहरादून (उद संवाददाता) । मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालयन सांस्कृतिक केन्द्र नींबूवाला, गढ़ी कैण्ट में “विश्व मानक दिवस” के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनियों का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि आज हम एक ऐसे महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर रहे हैं, जो हमारे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बनाने के साथ-साथ भारतीय उत्पादों को वैश्विक मानचित्र पर शीर्ष स्थान प्रदान कराने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोई भी मानक केवल तकनीकी दिशा-निर्देश या मापदंड नहीं होते, बल्कि वे हमारे देश के विकास और आत्मनिर्भरता की बुनियाद होते हैं। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्थापित मानक हमारे उद्योगों, व्यापार और सेवाओं के प्रमाणीकरण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये न केवल हमारे कार्यों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करते हैं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन को भी किसी न किसी रूप में प्रभावित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में मानकों के इकोसिस्टम का व्यापक विस्तार हुआ है। जो अब कृषि, सड़क परिवहन, स्वास्थ्य और अन्य सेवाओं सहित लगभग सभी क्षेत्रों को समाहित करता है। सभी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता, सुरक्षा और दक्षता के मानक लागू हों। जिससे हमारे जीवन स्तर में सुधार हो और अर्थव्यवस्था को भी



मजबूती मिल सके। मानक ये सुनिश्चित करते हैं कि भारतीय उत्पादों को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल सके और उनकी विश्वसनीयता बढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में “आत्मनिर्भर भारत” का सपना साकार हो रहा है और इसमें भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा स्थापित मानकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब हम अपने उत्पादों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार करते हैं, तो हम न केवल उनकी गुणवत्ता को बढ़ाते हैं, बल्कि अपने उद्योगों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए भी सशक्त आधार प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का उद्देश्य है कि भारतीय उत्पाद अपनी गुणवत्ता, नवाचार और विश्वसनीयता के लिए पूरे विश्व में एक मिसाल स्थापित करें। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा 22 हजार से अधिक मानक निर्धारित किए गए हैं। इसलिए हमारे राज्य में मानकों का पालन करने की अत्यधिक आवश्यकता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि हम अपने पारंपरिक उत्पादों, जैसे हस्तशिल्प, जैविक कृषि उत्पाद, औषधीय जड़ी-बूटियाँ और अन्य स्थानीय उत्पादों के लिए भी उच्च मानक स्थापित करें। इससे हमारे उत्पादों की पहचान न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बदेगी बल्कि वैश्विक स्तर पर भी हमारी ब्रांडिंग मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने “हाउस ऑफ हिमालयाज” नाम से अम्ब्रेला ब्रांड की स्थापना की है जो हमारे स्थानीय उत्पादों को विश्वस्तरीय पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने

भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारियों से अपेक्षा की कि इन ब्रांड के मानकों का भी मापन हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के विश्व मानक दिवस की थीम एसडीजी-9 है, जो उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे से संबंधित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विभिन्न विभागों पीडब्ल्यूडी, एमडीडीए, यूपीसीएल और आपदा प्रबंधन विभाग के साथ समन्वय करते हुए भारतीय मानक ब्यूरो ने इन सभी को मानकीकरण की दिशा में जागरूक और सशक्त किया है। यह पहल इन विभागों के कार्यों की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को बढ़ाने में कारगर सिद्ध होगी। भारतीय मानक ब्यूरो ने देश भर के दस हजार से अधिक स्कूलों में स्टैंडर्ड क्लब स्थापित किए हैं, जिनके माध्यम से बच्चों में मानकों के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर तक मानकों के महत्व को पहुंचाने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो के प्रयासों की सराहना की। कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्या ने कहा कि जीवन के किसी भी कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए भी मानक बनाने जरूरी हैं। इसी तरह भारतीय मानक ब्यूरो भी विभिन्न वस्तुओं और उत्पादों के मानकों का निर्धारण करता है। इस अवसर पर सचिव एवं आयुक्त खाद्य श्री हरि चन्द्र सेमवाल, महानिदेशक यूकोस्ट प्रो. दुर्गेश पंत एवं संयुक्त निदेशक भारतीय मानक ब्यूरो श्री श्याम कुमार उपस्थित थे।

पूर्व सीएम हरदा ने बढ़ाया पत्रकार योगेश डिमरी का हौसला

ऋषिकेश (उद संवाददाता) । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सीएम हरीश रावत ने ऋषिकेश में पिछले दिनों लाईव रिपोर्टिंग के दौरान एक कथित शराब माफिया के जानलेवा हमले में बुरी तरह से घायल हुए आंवला न्यूज के पत्रकार योगेश डिमरी की कुशल छेम पूछी और उनके संघर्ष को अपना समर्थन देते हुए शॉल ओड़कर सम्मानित कर उनका हौसला भी बढ़ाया है। पूर्व सीएम ने कहा है कि राज्य में व्याप्त नशे के गोरखधंधे में लिप्त माफियाओं के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों का दमन बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। पुलिस प्रशासन को ऐसे संवेदशील मामले में तत्परता से कार्यवाही करनी चाहिये। सोशल मीडिया पर पूर्व सीएम हरीश रावत ने हमले में घायल योगेश डिमरी से मुलाकात करते हुए कुछ तस्वीरें साझा की है। जिसमें उन्होंने कहा है कि मैं अपने ऋषिकेश नगर कांग्रेस अध्यक्ष श्री राकेश मिया और विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी श्री जयेन्द्र रमोला तथा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री दीप शर्मा जी, जिला कांग्रेस के साथियों के साथ श्री योगेश डिमरी जो सोशल एक्टिविस्ट हैं, पत्रकार हैं और शराब व नशे के खिलाफ इन्होंने एक मुहिम चला रखी थी लोगों को जागृत करने के लिए और जहां इस तरीके



की बिक्री होती थी वहां जाकर के उसका समाचार बनाकर के पुलिस तक पहुंचाना ताकि इस तरीके से शराब व नशे की बिक्री करने वाले लोग हतोत्साहित हों और जो ऋषिकेश क्षेत्र नशे की गिरफ्त में आ गया है उसको बचाया जा सके। इनको धोखे से ट्रैप करके एक जगह बुलाया गया और वहां इनको मारने के इरादे से इनकी पिटाई प्रारंभ की गई है जिसमें इनका जबड़ा टूट गया, पांव टूट गया और शरीर में अन्य जगह चोटें लगी हैं। यह गंभीर रूप से घायल हुए, किसी प्रकार से जान बची है। एक माह बाद भी बिस्तर में पड़े हुए हैं तो मैं अपने साथियों

के साथ इनके साहस और सामाजिक कार्य के लिए, इनके समर्पण के लिए इनके पास भेंट करने आया। मैं इनके साहस की भूरी-भूरी प्रशंसा करता हूँ और समाज को ऐसे ही लोगों की आवश्यकता है, नहीं तो हम नशाखोरी के गर्त में ऐसे फंस जाएंगे पूरे उत्तराखंड में यह राज्य बर्बाद हो जाएगा। मैं डिमरी साहब को उनके साहस के लिए धन्यवाद देता हूँ और भगवान को भी धन्यवाद देता हूँ कि उनकी जान बच गई। ऐसे लोग समाज की निधि हैं। उत्तराखंड की धर्मनगरी ऋषिकेश में अवैध शराब के खिलाफ मुहिम छेड़ने का साहस

करने वाले पत्र योगेश डिमरी एम्स ऋषिकेश से डिस्चार्ज होकर अपने घर लौट आये हैं। अस्पताल में भर्ती होने के दौरान भी उनकी कुशलछेम पूछने के लिए राज्य के कई दिग्गज नेताओं ने मुलाकात की थी। वहीं पूर्व सीएम डा. रामेश पोखरियाल निशंक, त्रिवेन्द्र सिंह रावत, महेंद्र भट्ट, प्रेमचंद्र अग्रवाल, गणेश गोदियाल सहित कई अन्य नेताओं ने योगेश का हौसला बढ़ाया। वहीं अब पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भी घायल पत्रकार योगेश डिमरी से मुलाकात कर उनके संघर्ष की सराहना की है। ऋषिकेश में अवैध शराब में लिप्त माफियाओं के

खिलाफ सोशल मीडिया के जरिये समाज को सही दिशा दिखाने का प्रयास करते हुए अपनी जान की बाजी लगाने वाले योगेश डिमरी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना कर रहे हैं। वहीं योगेश डिमरी ने पूर्व सीएम हरदा से हुई भेंट पर एक भावुक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा की है। उन्होंने कहा कि साथियों नमस्कार आज राजनीति में जमीन से जुड़े हुए और सत्ता व्यवस्था की नींव तक की परख रखने वाले हमारे राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्र में भी केंद्रीय मंत्री की जिम्मेदारी संभालने वाले हरदा मतलब हरीश रावत हमारी कुटिया में मेरी कुशलक्षेम पृछने

आए थे। मारपीट की घटना के तुरन्त बाद हरदा के सुपुत्र वीरेंद्र रावत जी तो एम्स में मिलने आ ही गए थे। आज उनके साथ ऋषिकेश की कांग्रेस टीम भी थी जिसमें पूर्व पालिका अध्यक्ष दीप शर्मा भाई, विधानसभा प्रत्याशी रहे जयेंद्र रमोला भाई, महानगर अध्यक्ष राकेश मियां भाई और उनके साथ गणमान्य भी आये थे। सबसे पहले उन्होंने शॉल उड़ाकर मेरा सम्मान किया उसके बाद हमारे द्वारा अवैध नशा तस्करों की खबरों को और मारपीट की घटना को ध्यान से सुना फिर उन्होंने अपना संदेश भी रिकॉर्ड किया। उनके इस प्रेम और सद्भावना से लगा कि अब राज्य में अवैध नशे, जिससे हमारी पीड़ियाँ बर्बाद हो रही है उसके लिए विपक्ष आगे आने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा मैं अपने पूर्व मुख्यमंत्री से ये भी कहना चाहूंगा कि ऋषिकेश पुलिस पुनः शराब तस्करी करवाने हेतु प्रयास में लगी है क्योंकि इन्होंने हमारी टीम पर दबाव डालने के लिए हमारे एक साथी अरविंद हटवाल को फर्जी केस में जेल डलवा दिया है। वहीं नशा तस्करों और मुझसे मारपीट करने वाले बाकि आरोपियों पर हल्का हाथ रखा हुआ है। जाते जाते हरदा ने अपना आशीर्वाद बच्चों और परिवार को भी दिया। धन्यवाद हरदा।

मुख्यमंत्री पोर्टल में भी होती हैं झूठी शिकायतें?

-हिमांशु वाष्प्येय-

हलद्वानी। राज्य सरकार द्वारा समाज में रह रहे पीड़ित व्यक्तियों की सुनवाई के लिए मुख्यमंत्री पोर्टल की नींव रखी थी। जिसका उद्देश्य यह था कि कोई भी पीड़ित व्यक्ति सीधे अपनी शिकायत राज्य के मुखिया मुख्यमंत्री के समक्ष रखकर न्याय हासिल कर सके। ऐसे लोग जिनको स्थानीय प्रशासन से न्याय नहीं मिल पाता है वह लोग मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से अपनी सीधे शिकायत मुख्यमंत्री के समक्ष रखते हुए अपनी शिकायत दर्ज करा कर न्याय पा सकता है। लेकिन उत्तराखंड के विभिन्न शहरों में इसके विपरीत भी परिणाम देखने को मिले हैं।

शिकायतकर्ता के खिलाफ क्यों नहीं होती करवाई

जहां इन सुविधाओं से कई लोगों को न्याय भी मिला है। वहीं कई लोग मुख्यमंत्री पोर्टल में झूठी शिकायत भी दर्ज करा रहे हैं। पूर्व में भी कई बार ऐसा हुआ है। कई लोग अपनी रंजिश के तहत किसी के भी खिलाफ झूठी शिकायत कर देते हैं। वहीं कई लोग शक के दायरे में भी किसी के भी खिलाफ झूठी शिकायत कर देते हैं। कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि शिकायतकर्ता फर्जी नंबर से भी किसी भी प्रतिष्ठित व्यक्ति के खिलाफ झूठी शिकायत कर देते हैं और जांच कर रहे अधिकारी उस शिकायत कर्ता का पता लगाने में उलझे रहते हैं। कई बार तो ऐसा

भी देखने को मिला है कि शिकायतकर्ता किसी भी सरकारी अफसर के खिलाफ अपनी मांगों का पूरी होने पर जिम्मेदार अधिकारी को भ्रष्ट बताकर उसके भी खिलाफ झूठी शिकायत कर देते हैं। क्या राज्य सरकार को किसी भी शिकायत की जांच करने से पहले उस शिकायतकर्ता की भी पूरी जांच करना अनिवार्य नहीं कर देना चाहिए। उत्तराखण्ड के विभिन्न शहरों में कई बार ऐसे भी मामले आए हैं कोई भी व्यक्ति रजिशन किसी भी प्रतिष्ठित व्यक्ति व जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी झूठी शिकायत कर देते हैं। क्यों नहीं ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ भी

कड़ी कार्रवाई का प्रावधान लागू किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पोर्टल में किसी भी शिकायत की जांच करने से पहले शिकायतकर्ता की भी जांच किया जाना अनिवार्य किया जाना चाहिए। अगर शिकायत झूठी मिलती है तो झूठी शिकायतकर्ता के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। झूठी शिकायतकर्ताओं की ऐसी हरकतों से समाज में सही मायने में पीड़ित व्यक्ति को भी न्याय नहीं मिल पाता है। भविष्य में शिकायतकर्ता से शिकायतपत्र में आधार कार्ड संख्या अंकित करवाना बेहतर साबित हो सकता है।

चाय में थूकने वाले, यह
जिहादी नहीं हैं, यह पागल हैं !

देहरादून (उद संवाददाता)। उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पूर्व सीएम के अनुसार रसोई बनाते वक्त रोटी पर थूकने वाले, चाय बनाते वक्त सर्व करने से पहले चाय में थूकने वाले, यह जिहादी नहीं हैं जैसा मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं। थूक जिहाद, यह पागल हैं, यह मानसिक रूप से रोगी हैं, ऐसे रोगियों का एक ही स्थान है, जहां ऐसे मानसिक रुग्ण हमारे भाई रखे जाते हैं बल्कि यह उनके साथ रखने काबिल भी नहीं हैं। वह तो श्रद्धा और दया के पात्र हैं। यह तो घृणा के पात्र हैं। इनको तो जेल की किसी ऐसी कोठरी में रखा जाना चाहिए जहां इनकी सारी मानसिकता और मानसिक रुग्णता ठीक हो जाए। भाजपा के लोग आजकल हर बात के लिए जिहाद शब्द का उपयोग करते हैं। जिहाद तो एक बड़े परिवर्तन का द्योतक होता है और परिवर्तन, सकारात्मक सोच का परिवर्तन ही जिहाद है, के लिए जिहाद शब्द का उपयोग किया जा सकता है। पागलों, मानसिक रूप से रुग्ण लोगों, किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले लोगों, कहीं झांसा देकर के किसी की लड़की भगाने वाले लोगों को जिहादी कहकर उनका भाव मत बढ़ाइये और जब मुख्यमंत्री पद पर आसीन व्यक्ति ऐसे लोगों को जिहादी कहेंगे तो थोड़ा चुभता है।

DEHRADUN- Kaluagarh Road +91-8394949454 **PANIPAT-** West Market Opp. Central Bank +91-8607964000 **KARNAL-** Mangal Singh Market +91-8684077000, 49 Ram Nagar +91-8908350000